विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 7 से 13 अगस्त 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 11 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में 50 की उम्र के बाद भी जो लोग अत्याधिक झूठ बोलते हैं, उनके लिए बुढ़ापा अत्याधिक कठिन होता है. आमतौर पर सांसरिक प्रपंच के लिए 50 साल तक माफी हो सकती है. लेकिन सब कुछ रहने के बाद भी झूठ बोलना पाप की श्रेणी में आता है. इस पर पक्का विचार करना चाहिए.

संघर्ष से कामयाबी प्राप्त करने वाले वरिष्ठ पत्रकार,दिलदार इंसान त्रिदीप वानखडे को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.आप स्वस्थ रहें,मस्त रहें,यही कामना.शेष पेज 6 पर

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

पीएम मोदी के लिए मुस्लिम बहन की राखी

मुस्लिम बहन कमर मोहसिन शेख तीस साल से बांधती हैं राखी, निभाते हैं मोदी भी रिश्ता

विदर्भ स्वाभिमान,30 जुलाई

नई दिल्ली/अमरावती-रक्षाबंधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुस्लिम बहन कमर मोहसिन शेख ने उनके लिए खास राखियां तैयार की हैं. पाकिस्तान में जन्मीं कमर पिछले 30 सालों से पीएम मोदी को राखी बांधती आ रही हैं. इस बीच अमरावती में भी रक्षाबंधन को लेकर बहनों में जोरदार उत्साह है और राखी की खरीदी से बाजार गुलजार है.

रक्षाबंधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुस्लिम बहन कमर मोहसिन शेख ने उनके लिए खास राखियां तैयार की हैं. पाकिस्तान में जन्मीं कमर पिछले 30 सालों से पीएम मोदी को राखी बांधती आ रही हैं. उन्होंने बताया कि उनका रिश्ता तब शुरू हुआ जब

मोदी जी ने उन्हें बहन कहकर पुकारा. कमर शेख की दुआएं हमेशा सच हुई हैं और इस साल भी उन्हें उम्मीद है कि वह पीएमओ से न्योता पाकर राखी बांध पाएंगी.

कमर मोहसिन शेख भाई नरेन्द्र मोदी के लिए सदैव दुवाएं देती हैं. वे बताती हैं कि उनका रिश्ता तब से है जब नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (डच्च्) के एक कार्यकर्ता थे. एक दिन मोदी जी ने उनसे हालचाल पूछते हुए कहा था, 'बहन कैसी हो?' इस स्नेह भरे शब्द ने उनके दिल को छू लिया और तभी से उन्होंने मोदी जी को राखी बांधना शुरू कर दिया.कमर शेख ने कहा कि उन्होंने कई बार मोदी जी के लिए दुआ की है और उनकी दुआएं हमेशा सच हुई हैं. एक बार उन्होंने मोदी जी से कहा था कि वह गुजरात के मुख्यमंत्री बनें. जब यह दुआ पूरी हुई, तो उन्होंने अगली बार कहा कि आप देश के प्रधानमंत्री बनें.अब उनकी तीसरी दुआ भी सच हो चुकी है और उन्हें उम्मीद है कि इस बार भी वह दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री को राखी बांध पाएंगी.पिछले साल कुछ कारणों से वह दिल्ली नहीं जा पाई थीं, लेकिन इस साल उन्हें पूरी उम्मीद है कि पीएमओ से उन्हें निमंत्रण मिलेगा. उनका कहना है कि वह हर साल अपने हाथों से सबसे सुंदर राखी बनाती हैं, जिसे वह अपने भाई की कलाई पर बांध सके. वे बताती हैं कि मोदी ने भी भाई की सभी जिम्मेदारी बेहतरीन ढंग से सदैव निभाई है.

दिल्ली सहित देश में महंगी हो सकती है बिजली,सुको ने दी मंजूरी

विदर्भ स्वाभिमान,6 अगस्त

मुंबई/दिल्ली-देश की राजधानी दिल्ली में बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है. सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में दिल्ली में बिजली की दरें बढ़ाने की अनुमति दे दी है. यह फैसला उन बकाया भुगतानों से जुड़ा है, जो बिजली वितरण कंपनियों को सरकार से मिलने थे.

सुप्रीम कोर्ट ने बिजली की कीमतें बढ़ाने की मंजूरी देते हुए कुछ महत्वपूर्ण शर्तें रखी हैं. कोर्ट ने कहा कि बढ़ोतरी को लेकर भी अदालत ने कुछ बातें कंपनियों के लिए तय की है.इसके अलावा कीमतें दिल्ली बिजली नियामक आयोग द्वारा तय की गई सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए. कोर्ट ने क्क्डब को एक विस्तृत रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया है, जिसमें यह बताया जाए कि बिजली की दरें कैसे, कब और कितनी बढ़ाई जाएंगी. रिपोर्ट के अनुसार ये बढ़ी हुई दरें सभी तरह के उपभोक्ताओं - व्यक्तिगत, आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक पर लागू होंगी.सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे देश के अन्य राज्यों पर भी पड़ सकता है. कोर्ट ने सभी लंबित भुगतानों को अगले चार साल के भीतर चुकाने का निर्देश दिया है. इसका मतलब है कि जिन राज्यों में लंबे समय से ये भुगतान अटके हुए हैं, वहां भी आने वाले चार सालों में बिजली की दरें बढ़ सकती हैं. नियामक परिसंपत्तियों का मतलब उन बकाया भुगतानों से है, जो बिजली वितरण कंपनियां राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में बिजली सप्लाई के बदले मांगती हैं. नागरिकों को शीघ्र ही बिजली का झटका लग सकता है.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 26वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

अकोला में संपादक पर हुआ हमला सोचनीय

अकोला में संपादक द्वारा कुख्यात के खिलाफ पुलिस द्वारा भेजी गई प्रेस नोट छापने पर किया गया हमला न केवल दैनिक सुफ्फा पर हमला है, बल्कि चौथे स्तंभ पर हमला है. पुलिस को इस तरह के मामले में जिस तरह की सक्रियता का परिचय देना चाहिए, वह नहीं दिखाई देना और पत्रकार संगठनों को ज्ञापन देने की नौबत आना निश्चित ही चिंतनीय है. इससे कोई पत्रकार सच छापने की हिम्मत नहीं करेगा. क्या किसी चोर को चोर कहना,भ्रष्टाचारी को भ्रष्टाचारी कहना भी गुनाह हो गया है. लेकिन भ्रष्टाचार के कारण यह स्थिति पैदा हुई है. अकोला में संपादक के परिवार पर तड़ीपार कुख्यात आरोपी द्वारा किया गया हमला केवल हमला नहीं बल्कि लोकतंत्र में चौथे स्तंभ के रूप में सबसे बड़ी ताकत पर किया गया हमला है. संपादक का कसूर केवल इतना था कि उन्होंने पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट को अपने अखबार में सामाजिक दायित्व की भावना से स्थान दिया था और बदमाश को बदमाश बोलने की हिम्मत की थी. इसी बात को लेकर ईरानी नगर झोपड़पट्टी निवासी तथा कई मामले में आरोपित कुख्यात गुलाम अली औलाद हुसैन ने दैनिक सुफ्फा के संपादक सज्जाद हुसैन के घर पर जाकर विवाद किया. उन्होंने जब यह पुलिस प्रेस नोट रहने तथा इसे छापने के लिए किसी कुख्यात की अनुमति लेने की जरूरत नहीं रहने की बात साहस के साथ कही तो इस कुख्यात ने कानून और व्यवस्था को तिलांजलि देते हुए और जिला पुलिस को शर्मसार करने वाला रवैया अख्तियार करते हुए संपादक के परिवार पर कुछ गुंडों की मदद से जानलेवा हमला कर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को डराने का प्रयास किया. लेकिन ऐसे तत्व यह नहीं जानते हैं कि भारत का यह चौथा स्तंभ न कभी बिका है और न ही कभी बिकेगा.अपने जमीर को गिरवी रखकर चंद सिक्कों की लालच में भले ही कुछ पुलिस अधिकारी अपने दायित्व को भूल जाएं और ऐसे तत्वों को मदद करें लेकिन इस घटना को लेकर पत्रकारिता जगत में जबर्दस्त रोष व्याप्त है.

सवाल यह है कि असामाजिक तत्वों ने अपने डर का समाज पर असर किया है, यही कारण है कि व्यापारी से लेकर कई लोग ऐसे तत्वों के खिलाफ आवाज उठाना पसंद नहीं करते हैं. लेकिन पुलिस का प्रेस छापने पर संपादक के घर पर हमला करने के बाद इन आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ ही उनके खिलाफ मोका जैसे मामले में अपराध दर्ज किया जाना चाहिए. ताकि कोई गुंडा किसी अखबार के संपादक पर हमला करने की जुर्रत न करे. लेकिन दुर्भाग्य कि संपादक के परिवार पर हमला करने वाले पर कार्रवाई के लिए अगर पत्रकारों को ज्ञापन देना पड़ रहा है तो निश्चित तौर पर यह पुलिस के गाल पर करारा तमाचा कहना गलत नहीं होगा.कुल मिलाकर मीडिया पर अपराधी द्वारा किया गया यह हमला केवल एक संपादक पर नहीं बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को डराने के लिए किया गया कलम पर खूनी हमला है.इस तरह की घटनाएं निश्चित तौर पर समर्थनीय नहीं हैं, इसका निषेध होना चाहिए.

दिव्या देशमुख पर समूचे राष्ट्र को गर्व

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

कामयाबी मेहनत और समर्पण मांगती है. मोर्शी तहसील के धामणगांव काटपुर की बेटी दिव्या देशमुख ने शतरंज स्पर्धा में विश्व विजेता बनकर अमरावती जिले का नाम विश्व स्तर पर चमकाया है. निश्चित तौर पर इस बेटी पर सभी भारतीयों को गर्व होगा. दिव्या देशमुख जिले की मोर्शी तहसील के धामणगांव काटपुर की मूल निवासी है. बचपन से ही मेधावी दिव्या की सफलता की सराहना राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक की जा रही है. तहसील के धामणगांव काटपुर निवासी दिव्या बचपन से ही मेधावी छात्रा के साथ ही उसे बचपन से ही शतरंज में दिलचस्पी थी.वर्तमान में नागपुर में रहने वाली दिव्या देशमुख ने अपने से कई साल बड़ी कोनेरू हम्पी को अंतिम मैच में हराकर विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने के साथ ही अपने नाम इतिहास दर्ज कर लिया. दिव्या ने महज 19 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर मोर्शी, अमरावती ही नहीं तो महाराष्ट्र तथा देश का नाम चमकाया है.

इस उपलब्धि के बाद दिव्या को हर तरफ से बधाई मिल रही है. अमरावती का नाम तो विश्वस्तर पर शतरंज के क्षेत्र में दिव्या ने चमका दिया है. इस कामयाबी पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और नितिन गडकरी सहित सभी ने उसका अभिनंदन किया. निश्चित तौर पर यह पूरे जिले, विदर्भ के साथ ही राज्य तथा देश के लिए गौरव का क्षण है. दिव्या संत गाड़गेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय के पहले कुलपति डॉ. के.जी. देशमुख की पोती और डॉ. जयंत देशमुख की बेटी हैं. यूरोलॉजिस्ट डॉ. रवि देशमुख उसके चाचा हैं. धामणगांव काटपुर नामक एक छोटे से गाँव की 19 वर्षीय दिव्या देशमुख शतरंज टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन बन गई हैं.

महाराष्ट्र की दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया के बटुमी शहर में आयोजित महिला शतरंज विश्व कप के अंतिम दौर में इतिहास रच दिया. उन्होंने अनुभवी और उच्च रैंकिंग वाली अमेलिया कोनेरू हम्पी को हराकर यह बहुप्रतीक्षित खिताब अपने नाम किया. वह ऐसा खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं. मैच के मुख्य दौर में दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला. दिव्या ने बिना कोई गलती किए हम्पी को रोक दिया और मैच को टाईब्रेकर तक ले गईं. टाईब्रेकर में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने बहुत ही चतुराई और आत्मविश्वास से खेलते हुए निर्णायक जीत हासिल की. मैच में एक पल ऐसा भी आया जब हैमी के पास मैच में वापसी करने का मौका था. लेकिन वह उस मौके को जीत में नहीं बदल सकीं. दूसरी ओर दिव्या ने बिना कोई गलती किए ऐतिहासिक कारनामा किया और महिला शतरंज विश्व कप की विजेता का रिकार्ड अपने नाम कर लिया.

अमरावती जिले में खेल को अपार संभावनाएं और सुविधाएं हैं. हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल जैसी विश्वस्तरीय संस्था के माध्यम से भी हर साल सैकड़ों खिलाड़ी विभिन्न खेलों के निकल रहे हैं. दिव्या ने ऐसे हजारों खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा देने का कार्य किया है. दिव्या का नागरी सत्कार करने के लिए जिस तरह की उत्सुकता मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने दिखाई और ऑनलाइन इस बेटी का अभिनंदन कर मुलाकात के लिए बुलाया, वह भी उतना ही सराहनीय है. प्रतिभाओं का सम्मान जब राज्य के मुख्यमंत्री स्वयं करते हैं तो निश्चित तौर पर लाखों खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलता है. दिव्या इसी तरह अनेक रिकार्ड अपने नाम दर्ज करे और महाराष्ट्र का नाम देश और दुनिया में चमकाए, यही कामना कर सकते हैं. साथ ही मेहनत से सब कुछ हासिल किया जा सकता है, इसका संदेश उसने अपनी इस जीत से दिया है.

भारतीय निर्यातकों की बढ़ी चिंता

ट्रंप टेरिफ का पड़ने लगा है असर,भारतीय कंपनियों के लिए भी बढ़ा सिरदर्द

भारत का स्वयं को मित्र कहने वाले अमेरिका द्वारा अख्तियार रवैये को लेकर सरकार जहां चिंता में है, वहीं आम नागरिक भी दोगले अमेरिकी रवैये को लेकर परेशान हैं. इसको लेकर जिस तरह से उद्यमी तथा निर्यातकों को परेशानी हो रही है, उस पर भी गौर करना जरूरी है. आज पूरा विश्व एक है, व्यवस्था से लेकर आर्थिक मजबूती पर एक-दूसरे का असर पड़ताहै. ट्रंप टेरिफ की चिंता भारतीय निर्यातकों को सताने लगी है. सरकार को इसका कोई न कोई हल निकालना चाहिए. ब्राजील द्वारा अपने निर्यातकों के लिए जिस तरह से पैकेज दिया गया है, उसी तरह का पैकेज देने का प्रयास भारत सरकार को भी करना चाहिए.

अमेरिका द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद अब वॉलमार्ट, अमेजन, टारगेट और गैप सहित प्रमुख अमेरिकी खुदरा विक्रेताओं ने भारत से आने वाले ऑर्डर होल्ड कर दिए हैं. इंडियन एक्सपोर्टर्स को इस बात का डर पहले से ही सता रहा था कि टैरिफ के बढ़ने से उनके ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं.सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि भारतीय एक्सपोर्टर्स को अमेरिकी खरीदारों की तरफ से लेटर और ईमेल मिले हैं, जिसमें कहा गया है कि भारतीय निर्यातक अगली सूचना तक कपड़ों की शिपमेंट रोक दें.

लागत 35 फीसदी बढ़ जाएगी

दरअसल अमेरिकी कंपनियां चाहती हैं कि टैरिफ से बढ़ी हुई लागत का भार भारतीय निर्यातक वहन करें. टैरिफ से अमेरिकी में बिकने वाले सामानों की लागत 30 से 35 फीसदी बढ़ने की संभावना है. भारत के वेलस्पन लिविंग, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, इंडो काउंट और ट्राइडेंट जैसे प्रमुख निर्यातक हैं, जो अमेरिकी में 40 से 70 फीसदी तक बिक्री करते हैं.माना जा रहा है कि अब अमेरिका जाने वाले ऑर्डर के होल्ड होने से व्यापार में 40 से 50 फीसदी गिरावट दर्ज की जा सकती है. दरअसल भारत से सबसे ज्यादा मात्रा में कपड़े अमेरिका को एक्सपोर्ट किए जाते हैं. लेकिन टैरिफ से भारत का ऑर्डर बांग्लादेश और वियतनाम को मिल सकता है.डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जबकि बांग्लादेश और वियतनाम पर यह महज 20 फीसदी है. भारत ने ट्रंप के इस फैसले को अतार्किक बताते हुए विरोध किया था, जबकि ट्रंप इस पर अड़े हुए हैं. ट्रेड डील होने तक इस समस्या के सुलझने के आसार फिलहाल तो दिखाई नहीं देते. अपने परम्परागत प्रतिद्वंदी रूस के नाम पर जिस तरह से अमेरिका द्वारा भारत पर यह लादा गया है, उससे वह विश्वास के लायक नहीं है, यह बात तो शतप्रतिशत साबित हो गई है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN 43881

हारा हूं बाबा जैसे भजनों ने किया झूमने मजबूर

अभूतपूर्व रहा शिव मंदिर कंवर नगर में गायक दिनेश शर्मा का भजन कार्यक्रम, 11 को भव्य कावड़ यात्रा

विदर्भ स्वाभिमान, 6 अगस्त

अमरावती- शहर के कंवर नगर स्थित शिव मंदिर में युवा महाकाल भक्तों द्वारा सावन के पवित्र महीने में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. इस कड़ी में सोमवार को राष्ट्रीय भजन गायक दिनेश शर्मा की भजन संध्या का आयोजन किया गया था. इस दौरान एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुती से उन्होंने जहां भक्तों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया, वहीं दूसरी ओर पांच घंटे तक लगातार चले कार्यक्रम में शामिल सभी भक्त निहाल हो गए. पूरा क्षेत्र ही भजनों के कारण भोलेमय हो गया. 11 अगस्त को मंदिर की भव्य कावड़ यात्रा निकलेगी, यह अभूतपूर्व रहने तथा हजारों भक्त इसमें शामिल होने की जानकारी मनीष झांबानी ने दी.

शहर के कंवर नगर क्षेत्र में स्थित और हजारों भक्तों के आस्थास्थल शिव मंदिर में सोमवार की रात्रि सुख्यात गायक दिनेश शर्मा की भजन संध्या का आयोजन यादगार और शानदार दोनों ही रहा, उन्होंने भगवान भोलेनाथ, खाटू नरेश श्यामबाबा के साथ ही माता रानी के विभिन्न भजनों को सुरीली आवाज में प्रस्तुत कर जहां सभी उपस्थितों को झूमने मजबूर कर दिया, वहीं श्रोता भक्तों द्वारा भी उनके हर भजन को जोरदार दाद दिया गया. मंदिर में भोलेनाथ का अर्धनारीश्वर श्रृंगार भक्तों को जहां मोह रहा था, वहीं दूसरी ओर श्रृंगार करने वालें नलेश दवे तथा साथियों की भी सराहना की जा रही थी. सोमवार को रात्रि 8 बजे से शुरू हुआ भक्ति का यह सैलाब रात 3 बजे तक सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में चला. सभी ने गायक दिनेश शर्मा की सराहना करने के साथ ही आयोजकों की ओर से मनीष झांबानी तथा महिला मंडल, सेवा समिति के सभी पदाधिकारियों द्वारा उनका सत्कार किया गया.

स्थानीय कंवर नगर चौक स्थित शिव मंदिर के सभागृह में भजन संध्या का आयोजन किया गया. इससे पूर्व किन्नर अखाडे की महामंडलेश्वर मां पवित्रा नंदगिरी, मां मातंगी नंदगिरी उर्फ गुड्?डीबाई ने भोलेनाथ के दर्शन कर उपस्थित हजारों भक्तों को आशिर्वाद दिया. इस समय पूरा मंदिर खचाखच भरा था. भजन संध्या का आरंभ होने के बाद लोकप्रिय हारा हूं बाबा, काल उसका क्या बिगाड़े सहित फरमाईश पर विभिन्न भजनों को प्रस्तुत करते हुए दिनेश शर्मा ने सभी उपस्थितों को मंत्रमुग्ध कर दिया.

एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुती करने वाले दिनेश शर्मा के हर भजन को उपस्थित भक्तों द्वारा प्रतिसाद

दिया जा रहा था. इतना ही नहीं तो श्रोताओं के बीच जाकर भी वे सभी को प्रोत्साहित कर रहे थे. 5 घंटे तक लगातार चले कार्यक्रम के दौरान अपार भक्तिभाव की जहां गंगा बही, वहीं बेहतरीन आयोजन के लिए शिव महिला मंडल, शिव सेवा समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने प्रयास किया. कंवर नगर ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला तथा पुरूष भक्तों के साथ ही युवाओं की संख्या भी भरपूर थी. मनीष झांबानी के साथ ही मंडल का हर सदस्य पूरी तरह से तन्मय होकर सेवा के लिए भी तत्पर था. आगामी दुर्गोत्सव में भी दिनेश शर्मा का भजन संध्या कार्यक्रम रखने का सभी उपस्थितों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया. कार्यक्रम के दौरान भक्तों के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दिनेश शर्मा पर उनके हर भजन पर उपस्थितों ने न केवल दाद दी और उन पर नोटों की बौछार कर उनकी सुरीली आवाज को अपना समर्थन दिया. विनम्रता के साथ दिनेश शर्मा ने भी सभी की फरमाईश वाले भजन प्रस्तुत करते हुए सभी महाकाल भक्तों को भी निहाल कर दिया. गायक टीम के सभी सदस्यों का प्रदर्शन और बेहतरीन ट्यूनिंग ने भजन संध्या कार्यक्रम को ऊंचाईयों पर पहुंचा दिया.11 को कावड़ यात्रा की तैयारी अभूतपूर्व ढंग से की जा रही है.

भक्ति की शक्ति अपार

सुख्यात गायक दिनेश शर्मा का मत

जीवन में भक्ती की शक्ति अपार होती है. यही कारण है कि जहां भी भाव से इसे सुना जाता है, उस व्यक्ति के जीवन में निश्चित तौर पर कभी कोई तनाव नहीं आता है. वर्तमान में संस्कारों की अत्याधिक जरूरत है. जिस घर में माता-पिता बच्चों को उच्च शिक्षा के साथ संस्कार देते हैं, धार्मिकता का महत्व बताते हैं, प्रभु श्रीराम के जीवन और महान कार्यों की बचपन में जानकारी देते हैं, उस घर के बच्चे जीवन में कभी गलत मार्ग पर नहीं जाते हैं. कंवर नगर में हुए कार्यक्रम में मनीष झांबानी और साथियों द्वारा जिस तरह से समर्पित भाव से भजन संध्या की सफलतार्थ प्रयास किया गया, विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में सुरीली आवाज के धनी दिनेश शर्मा ने सराहना की.

सेवाभावी श्रीकांतभाऊ का सत्कार

अमरावती- स्थानीय साईंनगर क्षेत्र निवासी,सामाजिक,धार्मिक तथा सेवाभावी कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले सफल व्यवसायी के साथ ही बेहतरीन इंसान साईंनगर निवासी श्रीकांतजी भालेराव का रविवार को उनके निवास पर केसरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था तथा शिव पुराण समिति द्वारा सत्कार किया गया. अभी तक अनगिनत लोगों को सहयोग करते हुए सदैव आगे बढ़ाने में निःस्वार्थ भाव से सहयोग करने वाले श्रीकांतभाऊ के साथ ही उनकी जीवन संगिनी की विनम्रता और आत्मीयता ने भी सभी का दिल जीत लिया. इस मौके पर मनोज चोरे, डॉ. शोभाताई गायकवाड़, नरेशभाऊ अतकरे, सुधीर हजारे, डॉ. गुल्हाने,संपादक सुभाष दुबे,युवा समाजसेवी सचिन भेंडे सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे. विदर्भ स्वाभिमान में प्रकाशित जन्मदिन के लेख की फ्रेम तथा शाल,श्रीफल प्रदान कर श्रीकांतभाऊ भालेराव का सत्कार किया गया. भालेराव परिवार की आत्मीयता और स्वभाव की सभी ने सराहना की.

सदैव गुरूमुख से सुनकर करें ईश्वरार्चन

गतांक से जारी-अपने संकल्प से की जानेवाली मोक्ष- साधना को बिना छोड़े करना व्रत है.अपने योग -कर्म में रोग दारिद्र्य संशय शास्त्रवाद रसवाद दुर्जन सहवास आदि विन्घ होने पर भी विचलित न होना ही बुध्दि हैं मतभेद से दूर पुराण -इतिहार आदि सद्ग्रंथों को श्रध्दा से पढ़कर सार ग्रहण करना ही आस्तिक्य है.अति तेजोमय ईश्वर स्वरूप को गुरूमुख से सुनकर ह्दय में और मन से ध्यान करते हुए पूजा करना ही ईश्वरार्चन है. गुरु वाक्यों को सत्य वाक् के रूप में विश्वास करते हुए नियमों को तोड़े बिना कष्टों को झेलते हुए करना ही तप है. गुरु के व्दारा बताये मंत्र को निश्चल मन से बिना छोड़े जप करना ही जप है. ये दस ही नियम हैं. ऐसे यम नियम दोनों अंतं शुध्दिप्रद हैं.इसलिए इनका अभ्यास करके अंत शुध्दि को प्राप्त करके कीटादि जंतुओ से मुक्त विजन स्थल में अपने लिए अनुकूल सुखासन का निर्माण करके उस पर आसनों का अभ्यास करना चाहिए. आसन करने का विधान इस प्रकार हैं.

5. कुक्कुटासन-पद्मासन में बैठ कर घुटनों एवं जांघों के बीच में हाथों को घुसाकर दोनों हाथों को धरती पर लगाकर पद्मासन को ऊपर उठाने की तरह बैठना कुक्कुटासन है.

6. उत्तान कूर्मासन-कुक्कुटासन पर बैठ कर दोनों हाथों स गले को पकड़ कर कूर्म की तरह पीठ के बल से पड़े रहने को उत्तान कूर्मासन कहा जाता है.

7.धनुरासन-पैर को दोनों अंगुष्टों को दोनों हाथों से धनुराकृति में पीठ के पीछे कानों के साथ पकड़ना धनुरासन है.

8. मत्सेंद्रासन-बाएँ जांघ पर पहले दाएँ पैर को मोड़कर घुटनों के बाहर बाएँ हाथ को फिरोकर दाएँ पैर को पकड़ कर बैठने से वह मत्सेद्रासन है. इससे जठराग्नि प्रकाशवान होकर कुक्षीरोग दूर हो जाते हैं. इसके अभ्यास से कुंडली जागृत होती है. पुरुष को दंडस्थिरत्व भी प्राप्त होता है.

9. पश्चिमोत्तासन (पश्चिम स्थाण्वासन)-धरती को छूते हुए दोनों पैर अच्छी तरह लंबा करके कमर को मोड़ कर घुटनों पर ललाट रखकर दोनों हाथ दोनों पैरों के अंगुष्टों को दोनों हाथों से पकड़ने पर वह पश्चिमोत्तासन है. इससे वायु पश्चिम मार्ग से चलेगी. जठराग्नि पैदा होकर पेट साफ होकर रोग सब दूर हो जाते हैं. इसका दूसरा नाम पश्चिम स्थाण्वासन है.

10. मयूरासन-दोनों हाथों को धरती पर रखकर दोनों कोहनियों को नाभि के दोनों ओर रखकर मुख उपर उठाकर दोनों कोहनियों को नाभि के दोनों ओर रखकर मुख ऊपर उठाकर दोनों पैरों को लंबा करके मोर की पूंछ की तरह ऊपर उठाकर रखना ही मयूरासन है .इससे उदर गुल्मदि रोग नष्ट होकर जठराग्नि प्रकाशवान बनकर विष को भी पचने की ताकत आयेगी.

11. सिध्दासन-बाएँ पैर की एडी मूलाधर के पास दाएँ पैर की एडी को लिंग स्थान के पासरखकर एकाग्र चित्त से शिरोग्रीव भुजाओं को ठीक से रखकर कमर को ऊपर की तरह रखकर भ्रूम मध्यालोकन करते रहने से वह सिध्दासन है.इससे मोक्ष व्दार का कवाट खुलेगा.

12. मतांतर सिध्दासन- गुप्तांग स्थान के ऊपर बाएँ एडी को रखकर उसके दाएँ एड़ी को रखने से वह मतांतर सिध्दासन है. यही वज्रासन है. यही मुक्तासन है.

13. भद्रासन-दोनों एडियों को संधान प्रदेश में लिंग के पार्श्व भाग में रखकर दोनों पैरों के पार्श्व भागों को दोनों हाथों से पकड़ कर बिना हिले बैठने से वह भद्रासन है. इससे विष और समस्त रोग दूर हो जाएँगे. यही गोरक्षासन भी है.

14. पद्मासन-बाएँ जांघ पर दाएँ पाद दाएँ जांघ पर बाएँ पाद रखकर रीढ़ के साथ दाएँ हाथ से बाएँ जांघ पर रहनेवाले दाएँ पाद के अंगूठे को पकड़ कर उसी प्रकार रीढ़ के साथ बाएँ हाथ से दाएँ जांघ पर रहनेवाले बाएँ पाद के अंगूठे को पकड़ कर चुबुक और नासिकाग्र को देखने की मुद्रा में बैठना पद्मासन है. इससे सारे रोगों का निवारण होता है.

15. मतांतर पद्मासन-बाएँ जांघ पर दाएँ पाद उलटा रखकर दाएँ जांघ के बीच में बाएँ पाद उल्टा रखकर दोनो हाथ दोनों जांघों पर उलटे रखकर नासाग्र पर लक्ष्य केंद्रित करके दांतों के मूल में जीभ से स्पर्श करके वक्ष पर चुबुक को रखकर धीरे-धीरे वायु को बंद करना ही मतांतर पद्मासन है. इससे सर्वरोगों का निवारण होता है. यही मुक्त पद्मासन भी है.

16. बध्द पद्मासन-दोनों हाथों को स्पर्श करके पद्मासन में बैठकर चुबुक को वक्ष पर स्पर्श करके चित्त में ध्यान करते हुए अपान वायु को ऊर्ध्व मुखी चालन करने से कुंडलिनी शक्तियुक्त होने पर प्राण वायु को छोड़ना बध्द पद्मासन है. इससे अतिशय ज्ञानबोध होता है. इससे नाडी व्दार के व्दारा वायु रुकेगी .इस प्रकार के असन से मृत्यु बच सकते है.योग से स्वस्थ बेहतरीन रहता है.

शेष अगले अंक में

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-27, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

सर्वज्ञ फाउंडेशन की आठवीं वर्षगांठ पर सरस्वती नगर में आयोजन,तैयारियां तेज

संगीतमय श्रीकृष्ण कथा 13 अगस्त से

अमरावती- ज़ीवन में सदैव परमार्थ की सोच के साथ काम करने वाले तथा आठ साल से शहर में समाजसेवा का आदर्श रखने वाले सर्वज्ञ फाउंडेशन की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर स्थानीय सरस्वती नगर, अमरावती में नागपुर से आए प्रसिद्ध प्रवचनकर्ता मनोज महाराज मिरकुटे (काटपुरकर) के वाणी द्वारा संगीतमय श्रीकृष्ण कथा 13 अगस्त से की जा रही है. इसकी तैयारियां तेजी से की जा रही है. इस कार्यक्रम का शहरवासियों से लाभ लेने का आग्रह मनीष पावडे ने किया है. उनकेमुताबिक इस कार्यक्रम का सभी का बेहतरी साथ मिल रहा है.

सेवाभावी सर्वज्ञ फाऊंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष मनीष पावड़े द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई.संस्था के अध्यक्ष मनीष पावड़े ने अपने पिता स्वर्गीय श्री रमेशराव पावड़े और माता श्रीमती पुष्पलता पावड़े से प्रेरित होकर गरीबों को भोजन, वस्त्र और अन्य सहायता उपलब्ध कराने के नेक उद्देश्य से आठ वर्ष पूर्व सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक संस्था की स्थापना की थी. इस संस्था के माध्यम से उन्होंने हज़ारों गरीबों तक भोजन दान का हाथ बढ़ाया. इस काम में श्रीमती वैशाली मनीष पावड़े का भी सहयोग मिल रहा है. पावड़े दंपत्ति के इस सामाजिक कार्य को देखते हुए, उन्हें कई राज्य-स्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है. 13 अगस्त से 16 अगस्त के बीच श्री कृष्ण कथा का

आयोजन सरस्वती नगर, अमरावती स्थित मनीष पावड़े के निवास पर किया जा रहा है.

चार दिवसीय श्री कृष्ण कथा महोत्सव के दौरान 13 अगस्त की सुबह 10 बजे सरस्वती नगर से भव्य दिव्य कलश यात्रा निकलेगी. इसके बाद दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक श्री कृष्ण कथा का आयोजन होगा. 16 तारीख को श्री मनोज महाराज मिरकुटे द्वारा संध्या कीर्तन किया जाएगा और उसके बाद महाप्रसाद का वितरण होगा. इस कार्यक्रम में क्षेत्र के संत और गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे. इसमें एच. बी.एच. पी. उमाले ऐ, (लहारी बाबा मंदिर), कमलाताई गवई (लेडीज गवर्नर) सुभाषराव पावाडे, (अध्यक्ष श्री कृष्ण मंदिर) और श्री गुरुदेव सेवा मंडल, सरस्वती नगर, महिला भजन मंडल सरस्वती और लक्ष्मी नगर, डॉ. गोविंद कासट मित्र, अभिनंदन पेंढारी मित्र, वृक्ष संवर्धन अमरावती, वासा एनिमल रेस्क्यू सेंटर सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की मुख्य उपस्थिति होगी और कई गणमान्य व्यक्ति इस धर्मार्थ कार्यक्रम में आएंगे. आप आयोजित श्री कृष्ण कथा कार्यक्रम हेतु खाद्यान्न एवं दान के रूप में सहयोग कर सकते हैं. सहयोग देने का स्थान सर्वज्ञ बुक डिपो, गांधी चौक, अमरावती एवं सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक, सरस्वती नगर, अमरावती है. सर्वज्ञ फाउंडेशन संस्थापक अध्यक्ष मनीष रमेशराव पावड़े मो. 9096585929 ने सभी से अनुरोध किया है कि वे संगीतमय श्री कृष्ण कथा कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं और इसका लाभ उठाएं. इस धर्मार्थ कार्यक्रम के लिए सर्व श्री राजू खंडारे, दादाराव दिवारे योगेश पखाले, प्रदीप गोरे, सुनील ठाकरे, रंजीत औरंगपुरे, दीपक साहित्यकार, गौरव राजुरकर, अंकुश वाट, विलास गणेशपुरे, सागर गोरे कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं. सभी से लाभ लेने का आग्रह मनीष पावडे ने किया

श्रृंगी ऋषि के सानिध्य से पुनीत तपोवनेश्वर शिव मंदिर

प्राचीन तपोनेश्वर महादेव मंदिर है जागृत, सावन के पावन महीने में लाखों भक्त करते हैं दर्शन

अमरावती शहर के साथ ही जिले में सावन का पावन महीना भोलेभक्ती से ओतप्रोत रहता है. कहीं कावड़ यात्रा,कहीं शिव पुराण कथा तो कई मंदिरों में लाखों की संख्या में भक्त पहुंचकर दर्शन का लाभ लेते हैं. कंवर नगर के शिव मंदिर में मुकेश झांबानी के साथियों द्वारा भव्य पैमाने पर सवा महीने के लिए जहां विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हो रहा है, वहीं दूसरी ओर सोमवार को रात 8 बजे किन्नर अखाडे की महामंडलेश्वर मां पवित्रा नंदगिरीजी और मां मातंगी नंदगिरीजी उर्फ गुड्डीबाई ने जब शिव मंदिर को भेंट दी तो हजारों भक्तों ने बम भोले के नारे के साथ उनका स्वागत किया. दोनों ने भी अपार हर्ष के साथ सभी भक्तों को स्वस्थ, सुख, समृद्धि का आशिर्वाद दिया. रात 8 बजे के बाद राष्ट्रीय स्तर के भजन गायक दिनेश शर्मा तथा टीम द्वारा भोलेनाथ, खाटू श्याम, माता रानी के भजनों ने उपस्थित भक्तों को भक्ती से जहां सराबोर कर दिया, वहीं शिव महिला मंडल, शिव सेवा समिति के साथ ही मनीष झांबानी के नेतृत्व में उनके युवा

विदर्भ स्वाभिमान सावन का पावन माह

भजन गायक दिनेश शर्मा टीम ने भजनों से सभी को नाचने विवश किया,रात भर भोलेनाथ भक्ति में नहाते रहे मनीष झांबानी और सैकड़ों भक्त,बम भोले से गूंजा कंवर

मित्रों की सेवाभाव ने सभी उपस्थितों को प्रभावित किया.

गड़गड़ेश्वर मंदिर में महाप्रसाद

गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर में सावन का पावन महीना अपार भक्तिभाव से मनाया जा रहा है. यहां पर सोमवार को जयभोले ग्रुप की कावड़ यात्रा का जहां सभी ने स्वागत किया, वहीं भव्य महाप्रसाद का हजारों भक्तों ने लाभ लिया. भक्तों में जहां पिछले कुछ वर्षों के दौरान भगवान भोलेनाथ के प्रति श्रद्धा बढ़ी है, वहीं भोलेनाथ का श्रृंगार करने से लेकर महाप्रसाद के कार्यक्रम में जिस तरह से प्रवीण बुंदेले, गणेश जयस्वाल, जगदीश जयस्वाल सहित हजारों भक्त सेवाएं देते हैं, निश्चित तौर पर यह बदलते दौर के बाद भी भोलेनाथ की महिमा कहना गलत नहीं होगा. हजारों भक्तों ने यहां महाप्रसाद का लाभ लिया.

श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर

वल्लभ नगर स्थित और अल्प समय में ही लोकप्रिय हुए श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में 10 अगस्त को कावड़ यात्रा का आयोजन सुबह 8 बजे से किया गया है. महेन्द्र बोपुलकर के साथ ही क्षेत्र के असंख्य भक्त इसकी सफलता के लिए प्रयास कर रहे हैं. मंदिर में सोमवार की भोलेनाथ का श्रृगार हर भक्त को जहां लुभा रहा है, वहीं युवाओं की टीम द्वारा मंदिर की साफ-सफाई से लेकर अन्य कार्य पूरी तल्लीनता के साथ किया जा रहा है. इसकी सराहना सभी द्वारा की जा रही है.

पौराणिक तपोनेश्वर मंदिर

शहर के जागृत मंदिरों में पहाड़ों में बसे बोड़णा के तपोनेश्वर महादेव मंदिर का समावेश है. जहां ऋषियों की यह पवित्र भूमि रही है, वहीं अनिल साहू तथा अन्य भोलेभक्त ट्रस्टियों के सहयोग से मंदिर का बेहतरीन संचालन किया जा रहा है. सावन का पावन महीना जिलि में उत्साह से मनाया जा रहा है. यहां से त्यौहारों का मौसम ही शुरू होता है. हर भोले मंदिर में भक्तों की भीडड़ उमड़

क़ंवर नगर शिव मंदिर में संतों का आशिर्वाद लेने उमड़े भक्त

गड़गड़ेश्वर मंदिर में महाप्रसाद क़ा हजारों ने लिया पावन लाभ

रही है. अमरावती के गड़गड़ेश्वर महादेव, कोंडेश्वर महादेव के साथ ही प्राचीन तथा तपोभूमि तपोवनेश्वर महादेव का दर्शन करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी है. संस्थान के अध्यक्ष अनिल साहू स्वयं भोलेनाथ के भक्त हैं. इस मंदिर का प्राचीन इतिहास है. भोलेनाथ की सजावट यहां मन प्रसन्न कर देती है. यहां का प्राकृतिक वातावरण भक्त को अपार सुकून देता है. श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण ने 6 वे अध्याय में तप साधना स्थान कैसा हो, इसका वर्णन किया है उन्होंने कहा कि, ऐसा स्थान जहाँ एक बार बैठ गए तो उठने का मन न करे ऐसा स्थान जहाँ संत महात्माओंका वास हो, जहाँ के वायु मंडल में उसकी अनुभूति हो, साधक वहाँ निवास करे, जडों से टहनियों तक सभी घने वृक्ष मिठास लाए, जहाँ स्वच्छ, शुद्ध, निर्मल पानी बहता हो, पानी में डुबकी लगाते हँस और चहचहाती कोयल और मस्ती में चूर मोर अपने पंख पसारे नाच रहे हो. जहाँ दूर कही मंदीर या मठ हो. जहाँ दिनभर घंटियाँ बजती हो. ऐसी जगह में तप-साधना करने में मनुष्य का मन रमता है. इसी तरह की अनुभूति अमरावती शहर में स्थित एक स्थान पर होती है. जिसे तपोवनेश्वर नामसे जाना जाता है तपोवनेश्वर शहरसे 15 कि.मि. दुरी पर स्थित है. अमरावती-चांदूर रेल्वे मार्गपर स्थित इस स्थल को तपोभुमी भी कहा जाता है. शिव परिवार की महीमा दर्शानेवाले इस तपोवनेश्वर की भी अपनी एक पौराणिक कहानी है.

तपोवनेश्वर का जन्म त्रेतायुग में हुआ. उस समय गुफा में जागृत शिव मंदिर हुआ करता था. इस शिव मंदिर में श्रृंगीऋषी प्रतिदिन पूजा अर्चना करते थे. इस काल में श्रृंगी ऋषी पत्रकामेष्ठी यज्ञ के पौरोहित्य के रूप में प्रचलित थे. राजा दशरथ की तीन रानियाँ थी. जिन्हे पुत्र प्राप्ती की लालसा थी. लेकिन उन्हे पूत्र प्राप्ती का योग नही मिल रहा था. इसलिये राजा दशरथ ने अपने राजगुरू श्री वशिष्ठ ऋषी से इस संदर्भ में अपनी चिंता जताई, तो उन्होंने पुत्र कामेष्ठी यज्ञ करवाने की सलाह दी. जिसमें तपोवनेश्वर क्षेत्र के पुरोहित श्री. श्रृंगी ऋषी को आमंत्रित किया. राजा दशरथ की माता महारानी इंदुमती मूलतः विदर्भ के कौंडण्यपुर के राजा की पुत्री थी और श्री श्रृंगी ऋषी उनके राजगुरू थे. जिसके कारण राजा दशरथ के बुलावे पर वे अयोध्या गये और पुत्र कामेष्ठी यज्ञ किया. तब से इसे श्री श्रृंगी ऋषी के नाम से भी जाना जाता है.

विदर्भ स्वाभिमान

मानवधर्म,माता-पिता सेवा को बढ़ावा देने वाला लोकप्रिय अखबार

यहां एजेंसी देना है

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान की धारणी, चिखलदरा, परतवाड़ा, दर्यापुर, अंजनगांव सुर्जी में एजेंसी देना है. इसके साथ ही यहां पर मेहनती युवकों की जरूरत है, जो विज्ञापन लाने और वसूली करने में सक्षम हैं. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें. समाचार पत्र में केवल मेहनती युवक-युवती ही संपर्क करें, जिन्हें अपनी मेहनत के भरोसे कामयाबी प्राप्त करने की चाहत हो. विज्ञापन प्रतिनिधि बनकर बेहतरीन कमाई का मौका भी है. दिलचस्पी रखने तथा मेहनत के साथ ही स्वयं का वाहन रखने वाले ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

खुशियों के हर प्रकार के रंग

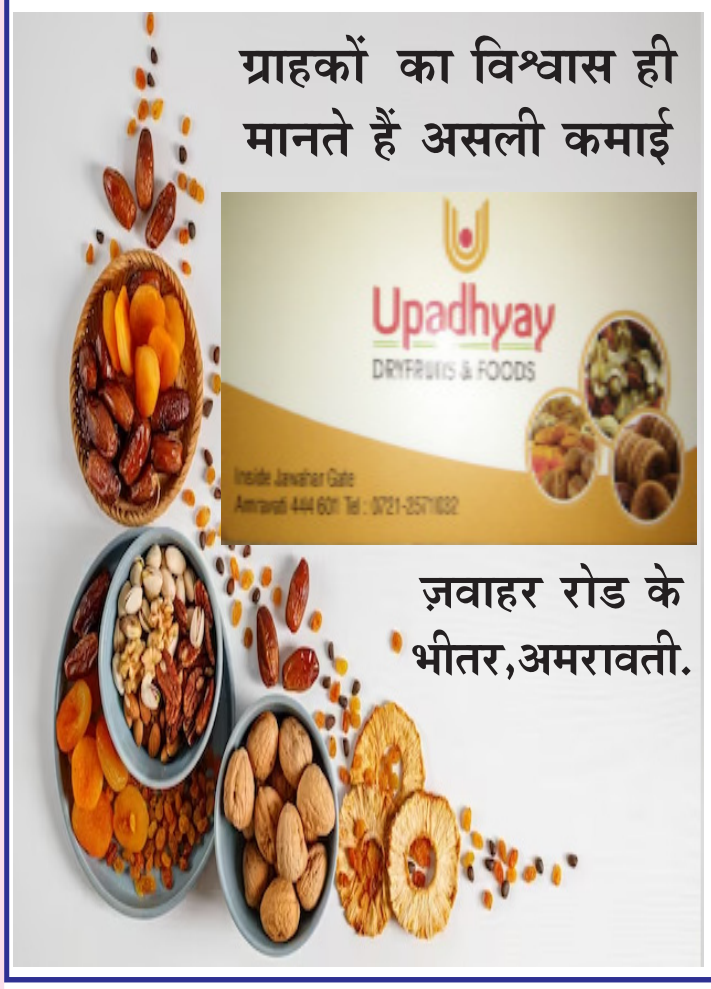

विदर्भ स्वाभिमान

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

अच्छी सोच,काम के प्रति समर्पण ही दिलाता है कामयाबी

वरिष्ठ पत्रकार त्रिदीप वानखडे संघर्ष को मानते हैं कामयाबी का मंत्र,जितना हो सके,अच्छा करने का प्रयास करें

अमरावती- ज़ीवन में कामयाबी उन्हें ही मिलती है, जो समर्पित भाव से अपने काम को पूजा मानकर करने का प्रयास करते हैं. जीवन में संघर्ष करने वाले को ही सफलता मिलती है. जो लोग किसी भी काम में शर्म नहीं करते हैं, ऐसे लोगों को ही जीवन में कामयाबी प्राप्त होती है. ऐसे में जब भी मौका मिले, स्वयं की काबिलियत को पूरी निष्ठा,ईमानदारी और बिना किसी को धोखा दिए निभाने वाले जीवन में कभी किसी भी परीक्षा में फेल नहीं होते हैं, इस आशय का मत संघर्ष से सफलता प्राप्त करने वाले और 28 वर्षों से अमरावती,नागपुर में पत्रकारिता क्षेत्र को समर्पित रूप सेसेवाएं देने वाले वाले त्रिदीप वानखडे ने किया. उनके मुताबिक कामयाबी उन्हें ही मिलती है, जो सदैव हर हाल में काम के प्रति समर्पण रखते हैं.

उनके 4 अगस्त को जन्मदिन पर जिस तरह से शहर के हर क्षेत्र के मान्यवरों ने उनका सत्कार किया और उन्हें शुभकामनाएं दी, वर्तमान में सभी पत्रकारों के नसीब में यह प्रेम,अपनापन नहीं रहता है. बातचीत में भले ही वह सख्त दिखाई देते हैं लेकिन दिल में कभी किसी का नुकसान करने अथवा किसी को परेशान करने वाली भावना नहीं रहती है. दस साल तक नवभारत के जिला प्रतिनिधि रहने के अलावा कई अखबारों में जिम्मेदार पदों पर काम करने वाले त्रिदीप वानखडे ने संघर्ष से सफलता की आसमानी बुलंदी हासिल की है. पुलिस विभाग के साथ ही सभी वरिष्ठाधिकारियों , विधायकों ,सांसद के साथ ही पालकमंत्री के साथ करीबी संबंध रहने के बाद भी किसी तरह का गर्व उनमें नहीं रहता है. किसी गरीब तथा जरूरतमंद की मदद पत्रकारिता के साथ ही अन्य माध्यमों से करने के लिए सदा तत्पर रहते हैं. उनका मानना है कि सकारात्मक सोच रखने वाला व्यक्ति ही जीवन में आगे बढ़ता है. बुराईयां सर्वत्र हैं लेकिन उसमें जो अच्छाई निकालने में सफल होता है, वही व्यक्ति मंजिल हासिल करता है. जीवन में कामयाबी का श्रेय जीवनसंगिनी के अलावा माता-पिता के आशिर्वाद को देते हैं. साथ ही बच्चों को सदैव माता-पिता का सम्मान करने तथा मेहनत में कभी भी कम नहीं पड़ने की सलाह देते हैं.

शुभेच्छुक- त्रिदीप वानखडे मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती,अकोला, हिंगोली तथा प्रतापगढ़

नेता की कमाई

नेता से पूछा कहो क्या हाल है.
खूब कमाया पॉच पीढ़ी का माल है..
नेता बोले औरों के घरों मे ताकना छोडो.
घर मे गुल्लक फोड़ो एक एक पैसा जमाया.
समझो यही कमाई तुमने कमाया.
हमारा भी वैसा ही है.
पाच साल जोडते पैसा है..
जब चुनाव आता है.
वही पैसा काम आता है..
जो नेता गिर जाए .
समझो जीते जी मरजाए..
जो जीतकर आते है.
वे ही फिर पाच साल खाते है..

कविः-मजीदबेग मुगल 'शहज़ाद '
हिगणघाट, जि,वर्धा,महाराष्ट्र
मोबाइल 8329309292

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.
शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य
1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

हरिकिसन मालू इंग्लिश स्कूल में छात्र समिति का गठन

बेहतरीन शिक्षा के साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास पर देते हैं सदा ध्यान

विदर्भ स्वाभिमान, 6 अगस्त

अमरावती- शहर ही नहीं तो बेहतरीन शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास को महत्व देने वाले एकवीरा नगर स्थित किसान मालू इंग्लिश स्कूल में एक छात्र संगठन का गठन किया गया. छात्रों का चयन उनके अनुशासन के आधार पर किया गया.

छात्र पढ़ाई में कैसे हैं, बोलने में कैसे हैं, उनकी पोशाक कितनी नियमित है, वे अपनी बात कैसे प्रस्तुत करते हैं, गतिविधियों में उनकी कितनी भागीदारी है, दूसरों के साथ उनका व्यवहार कैसा है. इन सभी मानदंडों पर छात्रों का चयन किया गया. इनमें हेड बॉय, हेड गर्ल वेदांत बोधलकर और श्रवणी ठाकुर, सहायक हेड बॉय, हेड गर्ल और वंश तरडेजा और प्रथा लांजेवार, इन्चार्ज टीचर पौर्णिमा मॅम प्राइमरी हेड बॉय, हेड गर्ल तनिष्क डाफे और स्वरा तिड़के, सहायक हेड बॉय, हेड गर्ल हर्षित काकड़ और ख्वाब झाम्बानी, इनचार्ज टीचर सुखवंत गांधी अनुशासन मंत्री गौरी मालोकर और चाहत केवलानी, इन्चार्ज टीचर संध्या मॅम शितल मॅम,सांस्कृतिक मंत्री चित्रा गौरी और आनंदी लावाबुरे इन्चार्ज टीचर प्रीती मॅम जयश्री मॅम खेल मंत्री तन्मय आहूजा और स्वर्णिमा नेरकर, यांच्या टीचर आरती देशमुख शितल प्रजापती स्वच्छता मंत्री उदयराज चिंचुलकर और मधुरा खाडेकर इन्चार्ज टीचर्स संध्या मॅम प्रीती मॅम , विधानसभा मंत्री सागर चौधरी और भाविका तरडेजा. इनचार्ज टीचर जयश्री ,विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नीता कौसकिया मैडम ने बच्चों को ब्रेच पहनाकर बधाई दी और उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी को निभाने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन दिया. सभी छात्रों को इस समिति के गठन का मुख्य उद्देश्य समझाया. सभी शिक्षकों और सभी छात्रों ने बच्चों को बधाई दी. कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या पूर्णिमा सुरंजे, जयश्री गवली, सुखवत गांधी, विजया शिरभाते और शिक्षण स्टाफ उपस्थित थे. कार्यक्रम का समापन बच्चों को बधाई देकर किया गया. संस्था अध्यक्ष डॉ.आशीष मालू स्वयं उच्च विद्या विभूषित रहने के कारण छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सदा तत्पर रहते हैं. इससे विद्यालय लोकप्रिय है.

कई साल बाद आया है पावन संयोग, 2 दिन मनाया जाएगा रक्षाबंधन

दोहरी पूर्णिमा बनाएगी अधिक पावन, 8-9 अगस्त को मनेगा

विदर्भ स्वाभिमान, 6 अगस्त

अमरावती- क़ई साल के बाद इस बार रक्षाबंधन का पावन अवसर कई सालों के बाद आया है. दो दिन तक रक्षाबंधन का पर्व मनाया जा रहा है. इस दौरान रक्षाबंधन को लेकर बाजार भी गुलजार हो गया है. शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों के अलावा भीतरी क्षेत्रों में भी राखीकी दुकानें लगी हैं और यहां पर लोगों द्वारा भव्य खरीदी की जा रही है. भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रतीक पर्व के रूप में रक्षाबंधन का पर्व समूचे देश में मनाया जाता है. इस बार दो पूर्णिमा के बीच यह पर्व 8 और 9 अगस्त को मनाया जा सकता है. इस बार रक्षाबंधन अधिक पावन है, क्योंकि इस दिन ग्रहों की स्थिति बहुत शुभ है. इस दिन चंद्रमा, सूर्य और गुरु अपनी-अपनी राशियों में उच्च स्थान पर रहेंगे, जिससे यह दिन और भी खास हो जाता है. 9 अगस्त को रक्षाबंधन पर सुबह से लेकर रात तक शुभ मुहूर्त है, इसमें कभी भी राखी बांधी जा सकती है.इस वर्ष का रक्षाबंधन पर्व काफी महत्वपूर्ण है. पूर्णिमा तिथि 8 व 9 अगस्त को दो दिन है. पहले दिन 8 को नारियल पूर्णिमा और 9 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा. पंचाग की तिथि गणना के मुताबिक यह दोनों ही तिथि दोहरा संयोग पैदा कर रहे हैं. बताया जाता रहा है कि कई वर्षों के बाद इस तरह का सुंदर संयोग रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आया है.

पंडित सत्यप्रकाश उर्फ लल्लू महाराज के मुताबिक इस बार भद्रा काल को छोड़कर यानी 9 अगस्त को सुबह 11.30 बजे तक छोड़कर कभी भी राखी बांधी जा सकती है. बताया जाता है कि इस बार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का यह योग अत्यंत दुर्लभ योग रहता है. कुल मिलाकर रक्षाबंधन के पर्व को लेकर बहनों में अत्याधिक उत्साह है. इसमें भी इस बार बेहतरीन संयोग के कारण इस पर्व का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. भद्रा का समय छोड़कर कभी भी बहनें भाईयों को राखी बांध सकती हैं.

गुरूवार 7 से 14 अगस्त 2025

मेष-यह सप्ताह आपके लिए अत्याधिक भाग्यशाली है. इस दौरान सोच-समझकर निवेश करें. वाहन धीरे से चलाने के साथ ही नाहक का तनाव लेने अथवा देने से बचने का प्रयास करेंगे.

वृषभ-स्वास्थ्य संबंधी समस्या परेशान कर सकती है. स्वास्थ्य पर ध्यान दें और अधिक दौड़धूप से बचने का प्रयास करें. वाहन संभालकर चलाएं.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-नाहक किसी के साथ विवाद से बचें . वाहनादि के साथ भाग्य इस सप्ताह साथ देगा. मेहमानों का आगमन होकर घर में खुशी का माहौल रहेगा. अपने काम पर विशेष ध्यान देना आपके लिए बेहतरीन रहेगा.

मीन-यह समय आपके लिए लाभकारी है. थोड़ी मेहनत में भी आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं. वाहनादि की खरीदी के साथ मेहमानों का आगमन होगा.

अच्छा करने का सदा प्रयास करें,राणा दम्पति हैं राज्य में सेवा का पर्याय रहने वाले नेता

विनोद जायलवाल ने साक्षात्कार में बताई राणा दम्पति की कामयाबी का राज

विदर्भ स्वाभिमान, 6 अगस्त

अमरावती- राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी केवल एक पार्टी नहीं है बल्कि यह समाजसेवा, राष्ट्र सेवा को अत्याधिक महत्व देने वाला और जनता की आवाज को मुखरता प्रदान करने वाला संगठन है. संस्थापक अध्यक्ष रवि राणा तथा पूर्व सांसद और जिले में विकास की गंगा बहाने वाली सौ. नवनीत राणा का जिले के विकास का विजन है. वे जहां विकास को लेकर समर्पित दम्पति हैं, वहीं दूसरी ओर जनता के हर सुख-दुख के साथी है. यही कारण है कि

संगठन ने राजनीतिक दलों को टक्कर देते हुए शानदार कामयाबी हासिल की और न केवल जिले बल्कि विदर्भ और राज्यस्तर पर तेजी से मजबूत होती जा रही है. उनके मुताबिक राणा दम्पति की सादगी, लोगों से जुड़ाव और लोगों को न्याय दिलाने के लिए किसी से भी पंगा लेने वाली मानसिकता ने इस पार्टी को लोगों के दिलों में स्थान दिया है.

पार्टी के राष्ट्रीय सहसचिव के साथ ही विनोद जायलवाल उर्फ भाईजी के नाम से जहां पार्टी कार्यकर्ताओं में अपार लोकप्रिय हैं, वहीं राजनीतिक क्षेत्र के अलावा सामाजिक,धार्मिक क्षेत्र में भी सेवारत हैं. राजनीतिक क्षेत्र में गहन अनुभव के साथ ही विनोद जायलवाल विधायक रवि राणा के अत्याधिक करीबियों में हैं. उनके द्वारा दी जाने वाली सलाह को अत्याधिक महत्वपूर्ण मानने के साथ ही उस पर अमल होता है. पार्टी की मजबूती और जनसेवा के क्षेत्र में अपार लोकप्रियता के पीछे उनका सबसे बड़ा सहयोग रहने की बात कहना गलत नहीं होगा. उनके जन्मदिन पर हजारों की संख्या में चहेतों ने सुबह से लेकररात 12 बजे तक विनोद जायलवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. सकारात्मक सोच केसाथ किया गया कार्य सफल होने की बात वे कहते हैं. सभी चहेतों के प्रति कृतज्ञता जताते सदैव यही प्रेम रखने का आग्रह करते.

शुभेच्छुक

राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी के सभी पदाधिकारी,कार्यकर्ता तथा विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती, अकोला, हिंगोली.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

दुग्धपूर्णा

हळवीशी हाक
कुणाला कुणाची
फुले प्राजक्ताची
अलवार
तृष्णेच्या हाकेला
उत्तरली काया
तृप्तीची ही माया
खरीच ती

पुरूषोत्तम पाटील

तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये

शितपेयाचा राजा

दुग्धपूर्णा

राजकमल चौक, अमरावती